9:15

M.A I Sem's K. Nand
02/02/2022

अर्थ पूरे परिवार को शिक्षित करना है। पुरुषों के समान उन्हें हक एवं अधिकार दिलाने के लिए सरकार भी काफी प्रयत्नशील है और इस तरह का हक पाने के लिए स्वयं स्त्रियाँ भी आज अधिक जागरूक हैं। इतना ही नहीं; आधुनिक सामाजिक परिवर्तन से बहुविवाह की प्रथा समाप्त हो गयी है तथा सती प्रथा भी समाप्त हो गयी। विधवा-विवाह भी को बुरा नहीं समझा जाने लगा है। फलतः भारतीय समाज में इस सामाजिक परिवर्तन से महिलाओं के सामाजिक जीवन में काफी सुधार आया है।

2. ⇒ सामाजिक मूल्यों एवं मानकों में परिवर्तन
(Changes In social values and social norms)

भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन की स्पष्ट अभिव्यक्ति के यहाँ के बदले हुए मूल्यों एवं मानकों (norms) से मिलता है।
पहले समाज में ईमानदारी, परिवार में बुजुर्गों को बोझ समझना जैसी सामाजिक मूल्यों की प्रधानता हो गई है, पहले लोगों का पोशाक धोती कुर्ता था परन्तु आजकल यह पश्चिमी देशों के अनुकूल अनुरूप हो गया है और लोग पैन्ट, शर्ट या कुर्ता आदि को अपना उत्तम पोशाक मानते हैं। इतना ही नहीं, पहले हिन्दू समाज में पुरुषों द्वारा माथा पर टिका रखना, जनेऊ पहनना तथा परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर, सिर का बाल मुड़ाना आदि प्रधान रूप से देखा जाता था। परन्तु आजकल ऐसे सामाजिक मूल्यों एवं मानक करीब-करीब दम तोड़ चुके हैं।

P.T.O